

रजिस्टर्ड नं० ल०-३३/एस० एम० १४/९१.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, २८ सितम्बर, १९९१/६ आश्विन, १९१३

हिमाचल प्रदेश सरकार

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, ६ सितम्बर, १९९१

संख्या एक० डी० एस० ए०(३)-८/९१.—भारत सरकार पेट्रोलियम रसायन मन्त्रालय और प्राकृतिक गैस विभाग का आदेश सा० का० नि०-६९९(ई), दिनांक १२ जुलाई, १९९० तथा अनुवर्ती संशोधित समसंख्यक आदेश दिनांक २५ जनवरी, १९९१ (प्रतियां संलग्न) दाबहीन स्टोव (क्वालिटी नियन्त्रण) आदेश, १९९० जो भारत सरकार के राजपत्र

२३५९-राजपत्र/९१-२८-९-९१-१,२६३.

(२०३५)

मूल्य : १ रुपया ।

असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (1), दिनांक 8 अगस्त, 1990 तथा समसंख्यक दिनांक 25 जनवरी, 1991 जो कि भारत सरकार के राजपत्र असाधारण भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (1), दिनांक 29 जनवरी, 1991 में प्रकाशित हो चुका है, को हिमाचल प्रदेश राजपत्र में सर्व-साधारण की सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है।

आदेश द्वारा
हर्ष गुप्ता,
आयुक्त एवं सचिव।

भारत सरकार
पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग

शास्त्री भवन, नई दिल्ली

दिनांक 12 जुलाई, 1990

आदेश

संख्या सा/0 का/0 नि 0-699-(ई).—केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का सक्षिप्त नाम दाबहीन स्टोव (क्वालिटी नियन्त्रण) आदेश, 1990 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह 1 फरवरी 1991 को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं.—इस आदेश में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “दाबहीन स्टोव” घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग के लिए आशयित ज्वालक साधन, जो वायु मंडलीय दाब पर मिट्टी के तेल से जलते हों, अभिप्रेत हैं।

(ख) “विनिर्दिष्ट मानक” से निम्नलिखित भारतीय मानक विनिर्देश अभिप्रेत है:—

क्रम संख्या

आई 0 एस 0 संख्या

शीर्षक

1

आई 0 एस 0 2980-1979

दाबहीन स्टोव के लिए विनिर्देश

3. कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई दाबहीन स्टोव जो इस आदेश के अधीन विनिर्देश के अनुरूप न हो, न तो स्वयं बनाएगा न उनका विक्रय के लिए भंडार रखेगा, न उनका विक्रय करेगा और न ही उनका वितरण करेगा और न ही किसी अन्य व्यक्ति से ऐसा करवाएगा और यह कि उस पर आई 0 एस 0 आई 0 प्रमाणीकरण चिह्न लगा होगा परन्तु इस आदेश की कोई भी बात ऐसे दाबहीन स्टोवों के निर्यात के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी जो विनिर्दिष्ट मान के अनुरूप नहीं हैं परन्तु विदेशी कृत्यों और निर्यात (क्वालिटी नियन्त्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) द्वारा अपेक्षित किसी विनिर्देश के अनुरूप है।

4. मानकच्युत या दोषपूर्ण स्टोव या कच्चे मान के संघटक जो उपर्युक्त मानक, जिसके अन्तर्गत विनिर्दिष्ट उष्मीय दक्षता भी है, के अनुरूप नहीं हैं उन्हें इस प्रकार विरूपित कर दिया जाएगा कि उनका उपयोग न हो सके और उनका संकेम के रूप में व्यय किया जाएगा ।

5. प्रवेश, तलाशी और अभिग्रहण की शक्ति.—(1) कोई भी ऐसा अधिकारी जो पुलिस निरीक्षक से निम्न पंक्ति का न हो, और जिसे केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार ने इस निमित्त प्राधिकृत किया हो, इस आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश का या उसके अधीन किए गए किसी आदेश का अनुपालन किया गया है,—

(क) किसी भी ऐसे स्थान, परिसर या कारखाने में प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा जिसकी दावत अधिकारी को विश्वास करने का यह कारण है कि उसका उपयोग इस आदेश के उल्लंघन में किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है;

(ख) ऐसे दावहीन स्टोवों, कच्ची सामग्री या संघटकों के स्टोक को अभिग्रहीत कर सकेगा जिनकी दावत अधिकारी को विश्वास करने का यह कारण है कि उनका उपयोग इस आदेश के उल्लंघन में किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है ।

(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का 2) की तलाशी और अभिग्रहण से सम्बन्धित धारा 100 के उपबन्ध, जहाँ तक सम्भव हो, इस आदेश के अधीन की जाने वाली तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे ।

(फा0 सं0 क्यू0-33012/6/84-डिस्ट/सी0 सी0)

सज्जन राज शाह,
संयुक्त सचिव,
भारत सरकार ।

भारत सरकार

पेट्रोलियम और रसायन मन्त्रालय
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग

नई दिल्ली

दिनांक 25 जनवरी, 1991

आदेश

सं0 का0 नि0.....—केन्द्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दावहीन स्टोव (क्वालिटी नियन्त्रण) आदेश, 1990 का संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दावहीन स्टोव (क्वालिटी नियन्त्रण) (संशोधन) आदेश, 1991 है ।
(2) यह 1 फरवरी, 1992 को प्रवृत्त होगा ।

2. दावहीन स्टोव (क्वालिटी नियन्त्रण) आदेश, 1990 में :—

(i) खण्ड 1 में, उप-खंड (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा:—
“(3) यह 1 फरवरी, 1992 के प्रथम दिन से लागू होगा ।”

(ii) खंड 2 में, उप-खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित उप-खंड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ख) “विनिर्दिष्ट मानक” से दाबहीन स्टोव के लिए विनिर्दिष्ट भारतीय मानक विनिर्देश सं० आई० एस० : 2980-1986, अभिप्रेत है।”

(iii) खण्ड 5 में, उप-खण्ड (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग में या किसी अन्य विभाग में ऐसी राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत राज्य सरकार का कोई भी ऐसा अधिकारी, जो निरीक्षक से निम्न पंक्ति का न हो, इस आदेश के उपबन्धों का पालन करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के प्रयोजन के लिए कि इस आदेश का या उसके अधीन किए गए किसी आदेश का अनुपालन किया गया है :—

(क) किसी भी ऐसे स्थान, परिवार या कारखाने में प्रवेश कर सकगा और उसकी तलाशी ले सकेगा जिसकी बाबत अधिकारी को विश्वास करने का यह कारण है कि उसका उपयोग इस आदेश के उल्लंघन में किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है।

(ख) ऐसे दाबहीन स्टोवों, कच्ची सामग्री या घटकों के स्थल को अभिग्रहीत कर सकेगा जिनको बाबत अधिकारी को विश्वास करने का यह कारण है कि उनका उपयोग इस आदेश के उल्लंघन में किया गया है या किया जा रहा है या किया जाने वाला है।”

(पा० सं० ब्यू० 33012/8/84-डिस्ट/सी०सी०)

हरीश चन्द्र गुप्त,

संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

पाद टिप्पणी.—मूल आदेश भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड 3, उप-खंड (1) में दिनांक 8 अगस्त, 1990 के सा० का० नि० : 699 (ई) द्वारा प्रकाशित किया गया था।

ATHORITATIVE ENGLISH TEXT

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 6th September, 1991

No. FDS.A (3)-8/91.—The Statutory Order No. G. S. R. 699 (E), dated 12th July, 1990 and subsequent amendment order of even number dated 25th January, 1991 (Copies enclosed) of Government of India, Ministry of Petroleum and Chemicals Department of Petroleum and Natural Gas, regarding Non-Pressure Stove (Quality Control) Order, 1990 published in the Gazette of India Extra ordinary Part-II, Section-3, sub-section (i) dated 8th August, 1990 and even number dated 25th January, 1991 published in Part-II, Section-3, sub-section (i) of the Gazette of India, extra-ordinary dated 29th January, 1991 are hereby published in the Himachal Rajpatra Extra-ordinary for information of the general public.

By order,

HARSH GUPTA.

Commissioner-cum-Secretary.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

DEPARTMENT OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

SHASTRI BHAVAN, NEW DELHI

Dated 12th September, 1990

ORDER

G. S. R. 699 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order, namely:—

1. (1) This order may be called **Non-Pressure Stoves (Quality Control) Order, 1990**.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force on 1st February, 1991.

2. **Definitions.**—In this order, unless the context otherwise requires:—

(a) 'Non-Pressure Stove' mean burning appliances intended for domestic and commercial use, burning kerosene oil at atmospheric pressure.

(b) 'Specified Standard' means the following Indian Standard Specifications:—

Sl. No.	I.S. No.	Title
1.	I.S. : 2980-1979	Specification for non-pressure stoves

3. No person shall by himself or by any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any non-pressure stove which does not conform to specification under this order and that it would be with ISI Certification Mark, provided that nothing in this order shall apply in relation to export of non-pressure stoves which do not conform to the specified standard but conform to any specification required by the foreign buyers and by the Export Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

4. The sub-standard or defective stoves or raw material components which do not conform to the aforesaid standard including the thermal efficiency specified shall be deformed beyond use and disposed of as scrap.

5. **Power of entry, search and seizure.**—(1) Any officer not below the rank of an Inspector of Police, authorised in this behalf by the Central Government or a State Government may, with a view to securing compliance with this order or to satisfying himself that this order or any order made thereunder has been complied with,—

(a) enter and search any place, premises or factory which the officer has reason to believe, has been, or is being or is about to be, used for the contravention of this order;

(b) seize stocks of non-pressure stoves, raw material or components which the officer has reason to believe has been or is being or is about to be, used in contravention of this order;

(2) The provisions of Section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, as far as may be, apply to searches and seizure under this order.

(File No. Q-33012/6/84-Dist./C.C.)

S. R. SHAH,

Joint Secretary to the Government of India.

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS
DEPARTMENT OF PETROLEUM AND NATURAL GAS**

New Delhi, the 25th January, 1991

ORDER

GSR....—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order to amend the Non-Pressure Stove (Quality Control) Order, 1990, namely:—

1. (1) This order may be called the Non-Pressure Stoves (Quality Control) (Amendment) Order, 1991.

(2) It shall come into force on the 1st day of February, 1992.

2. In the Non-Pressure Stoves (Quality Control) Order, 1990:—

(i) In clause 1, for sub-clause (3), the following sub-clause shall be substituted, namely:—

“(3) It shall come into force on the 1st day of February, 1992.”;

(ii) in clause 2, for sub-clause (b), the following sub-clause shall be submitted, namely:—

“(b) “Specified Standard” means the Indian Standard Specification No. IS : 2980-1986 specified for non-pressure stoves.”;

(iii) in clause 5, for sub-clause (1), the following sub-clause shall be substituted, namely:—

“(1) Any Officer of the State Government, not below the rank of an Inspector, in the Food and Civil Supplies Department or in any other department, duly authorised by a notification published in the Official Gazette by such State Government may, with a view to carry out the provisions of this Order, or for the purpose of satisfying himself that this Order or any Order made thereunder has been complied with,—

(a) enter and search any place, premises of factory which the officer has reason to believe, has been, or is being or is about to be, used for the contravention of this Order;

(b) seize stocks of non-pressure stoves, raw material or components which the officer has reason to believe has been, or is being or is about to be, used in contravention of this Order.”.

(File No. Q.-33012/6/84-Dist./C.C.)

H. C. GUPTA,

Joint Secretary to the Government of India.

Foot Note.—The principal Order was published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i) vide No. GSR : 699 dated 8th August, 1990.

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।